नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २८५ वि.सं. २०८२ वैशाख २३ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 06 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

बालिका तथा समावेशी शिक्षा संजाल सम्बन्धी छलफल

विपदके बेला बालबालिकासे सबसे ढेर प्रभावित: गापा उपाध्यक्ष

पहुरा समाचारदाता

हसुलिया २२ वैशाख । कैलारी गाउँपालिकाके हसुलियामे निशुल्क गुणस्तरीय सार्वजनिक शिक्षा सम्भव छ, सन्दर्भः शिक्षाका लागि विश्वव्यापी कार्य सप्ताह-२०८२ अन्तर्गत बालिका तथा समावेशी शिक्षा संजाल सम्बन्धी छलफल अँटवारके रोज सम्पन्न हुइल बा ।

कैलारी गाउँपालिकाके समन्वयमे पिसविन (शान्ति) कैलालीके आयोजना तथा एनसिई नेपालके सहकार्यमे बालिका तथा समावेशी शिक्षा संजाल सम्बन्धी छलफल हुइल हो । कैलारी गाउँपालिका स्तरीय बाल समितिके संयोजक तथा गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे विपदके बेला सबसे ढेर प्रभावित बालबालिका परल बटैली । उहाँ कहली, आजकाल्हके मनै भौतिक सुविधाके खोजीमे अपनही विपद निम्टयाइना करल बटै । जेकर कारण अपनही विपदमे परलके ज्यान गुमैठै । समय समयमे प्राकृतिक अइना करठ जेम्ने बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, गर्भवती महिलाफे प्रभावित हुइल विल्गाइठ ।

कैलारी गाउँपालिकामे बर्खाके बाढसे डुबान, पटान खेती योग्य जमिन कटान, गर्मीके बेला आँधीबौखा, आगलागीके समस्या ओ चटयाङके समस्या भोग्टी आइल ओरसे विपद न्यूनिकरणके लाग विपद अइनासे पहिले सचेत हुइना उहाँ आग्रह करली । ओस्टेक करके गुणस्तरीय शिक्षाके विद्यालयके शिक्षकसंगे अभिभावक जिम्मेवार हुई पर्ना बटैली ।

बालबालिका विद्यालय भर्ना कैटीके मोर जिम्मेवारी ओराइल कना सोचहे दुर रख्टी आपन लर्कनके भविष्यप्रति चिन्तन हुई पर्ना उहाँ बटैली । गुणस्तरीय शिक्षाके लाग अपाङ्ता रहल बालबालिका, संरक्षण विहिन बालबालिकाहुकनहे समेटना जरुरी रहलफे गाउँपालिका उपाध्यक्ष बटैली ।

कार्यक्रममे गाउँपालिकाके सामाजिक विकास शाखा प्रमुख यगम कलेल विपद ओ कैलारी गाउँपालिकासे कैगिल प्रयासबारे प्रस्तुतीकरण करल रहिट । प्राकृतिक ओ मानव निर्मित विपदके बारे जानकारी डेटी कैलारीमे सबसे ज्याद बाढके समस्या रहल मने विद्यालय बन्द करे पर्ना अवस्था नैरहल बटैलै । कैलारी गाउँपालिकामे हुलाकी राजमार्गमे पानी निकास नैहुइल कारण रोडके उत्तरओर समस्या डेखल उहाँ जनैलै ।

ओस्टेक उहाँ कैलारी विपद न्यूनिकरणके लाग पालिकास्तरीय समिति गठन करल, समय समय बैठक संचालन करल, खोज उद्धार सामाग्रीके व्यवस्थापन करल बटैलै ।

कार्यक्रममे सहजीकरण करटी पिसविन कैलालीके संयोजक हर्क बहादुर ओली समावेशी शिक्षाके लाग विद्यालयके भौतिक संरचनामे ध्यान जैना जरुरी रहल बटैलै । ध्वनी प्रदुशन, बायू प्रदुशनके कारण बालबालिकाहुकनहे स्वतन्त्र रुपमे अध्ययनके समस्या डेखल उहाँ जनैलै । छोटहीमेसे बालबालिकामे मोबाइलके लट बैठल कारण आटिज्मके समस्या बहलफे उहाँ जनैलै । *(बाँकी ३ पेजमे)*

धनगढी उप-महानगरपालिकासे खानेपानीके गुणस्तर परिक्षण सुरु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ वैशाख । धनगढी उप-महानगरपालिकामे खानेपानीके गुणस्तर परिक्षण सुरु हुइल बा ।

बर्खायाम सुरु हुइलसंगे पानीजन्य रोग लग्ना खतरा बहना हुइल ओरसे ओकर पुर्व तयारी स्वरुप धनगढी उप-महानगरपालिकासे खानेपानीके गुणस्तर परिक्षण सुरु करल हो । उप-महानगरभिटर रहल खानेपानी निगम, संस्थान, डिपो तथा बोरिङके खानेपानी गुणस्तर परिक्षण सुरु हुइल हो ।

धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नम्बर ५ मे रहल शिवनगर खानेपानी तथा सरसफाई उपभोक्ता संस्थासे पानी परिक्षण सुरु करल हो । विगतके बर्षमे समेत धनगढीमेकुछ पानीजन्य रोग डेखा परल ओरसे ओकर पुर्व सुरक्षा अनुरुप धनगढीके सक्कु खानेपानी संस्थाके पानी गुणस्तर परिक्षण करे लागल उप-महानगरपालिकाके स्वास्थ्य शाखा प्रमुख योगेश अवस्थी जानकारी डेलै ।

नगरबासीहे खानेपानीसे सर्ना रोगसे बचाइक लाग पुर्व तयारी स्वरुप हरेक खानेपानी वितरणके केन्द्रके ट्यांकीसे नमूना निकारके परिक्षण सुरु करल उहाँ बटैलै ।

खानेपानी ट्यांकी ओ उ संस्थासे वितरण हुइल अन्तिम बिन्दुसेफे पानीके नमूना लेके खानेपानीके गुणस्तर परिक्षण करटी रहल बटी अवस्थी कहलै, "हम्रे पानीके स्वच्छता कटराके बा ओ पानीसे फैल्ना रोग बिशेष करके छाडापखालाके किटाणु बटै की नैहुइट, पानी सामान्यतया धमिलोपन कटराके बा उ हेरटी, पानी अमलियपना तथा *(बाँकी ३ पेजमे)*

टिसरा तहके एक महिने सिलाई कटाई तालिम सुरु

पहुरा समाचारदाता

हसुलिया, २२ वैशाख । कैलारी गाउँपालिकाके हसुलियामे एक महिने टिसरा तहके सिलाई कटाई तालिम सुरु हुइल बा ।

कैलारी गाउँपालिकाके सहयोगमे सशक्त आवाज महिला संस्थाके आयोजनामे उपाध्यक्ष समावेशी कार्यक्रम अन्तर्गत एक महिने निःशुल्क तालिम सुरुवाट हुइल हो । संस्थाके अध्यक्ष गीता चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल तालिम उदघाटन कार्यक्रमके प्रमुख अतिथि कैलारी गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी रहल रहिट । कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ सीपसे महिलाहुकनहे आत्मनिर्भर बनैना बटैली ।

उहाँ कहली, 'जौन महिलाके हातमे सीप बा । ओइने अपनही व्यवसाय संचालन करटै कलेसे ओइनके समाजमे, परिवारमे अलग मेरिक पहिचान बा । ओइनके मान सम्मानफे बा ।'

गाउँपालिकासे वेरोजगार महिला ओ यूवाहुकनहे स्वरोजगार बनाइक बनाइक लाग टमान मेरिक सीपमुलक तालिम संचालन करटी आइल बा, तालिम लेके सीपके सदुपयोग कैना उहाँ सक्कु जनहन आग्रह करली ।

महिलाहुकनहे दोहरो जिम्मेवारी निभाई पर्ना मने घरपरिवार ओ समाजसे हिंसा भोगे परटी आइल कहटी महिलाहुक्रे आत्मनिर्भर हुइलेसे केल लैगिक हिंसाके घटनामे न्यूनिकरण हुइना उहाँ बटैली ।

कार्यक्रममे विशिष्ट पहुना गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत खगेन्द्रराज जोशी ओ सामाजिक विकास शाखा प्रमुख यगम कलेसे शुभकामना मन्तव्य रख्टी तालिम लेके ढेर जैसिन मनै खाली घर बैठना *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्वास्थ्य नै धन हो ।

विभिन्न संक्रमणबाट आफू बचौं र अरुलाई पनि बचाऔं, अत्यावश्कीय सेवा प्रवाह गर्दा निम्न कुरामा ध्यान दिऔं ।

- संवभ भएसम्म मास्क लगाऔं, सेवाग्राहीलाई पनि मास्क लगाउन सु-सूचित गरौं ।
- सेवा प्रभावहमा निश्चित भौतिक दुरी कायम गरौं ।
- साबुन पानीले मिचीमिची हात धुने गरौं वा सेनिटाइजरको प्रयोग गरौं ।
- कुनै पनि स्वास्थ्य समस्या भएमा नजिकैको स्वास्थ्य संस्थामा तुरुन्त सम्पर्क गरौं ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय
धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

सूचनाके हक कार्यान्वयनके प्रवृत्ति

विचार

✍ डा. सुरेश आचार्य

नेपालमे सूचनाके अधिकारके संवैधानिक प्रत्याभूति करल ३५ वर्ष बिटल । सुरुके झन्डे दुई दशक राज्य फेन यम्ने खास चास नैडेहल । जब संवैधानिक कहल राजा प्रजातन्त्रके अपहरण करे सेक्ठैं ओ उ बेला नागरिक पटा पैना अधिकार आवश्यक रहठ कना चेत ओ यकर मर्म राजनीतिक दलमे जागल । परिणामस्वरूप २०६२/६३ के आन्दोलनके सफलतापाछे पहिल नयाँ कानुनके रूपमे सूचनाके हकसम्बन्धी ऐन जारी करगिल । सत्ता नैरहलके राजनीतिक चेतहे सत्ता राजनीतिके रापताप कैसिक खुइल्याइल कना उदाहरण प्रारम्भमे यी कानुन बनल । २०६४ सावन ५ गते प्रमाणीकरण करल यी ऐन कानुनके भाषा अनुसार, प्रमाणीकरणके ३० औँ दिन अर्थात् २०६४ भदौ ३ गतेसे लागु हुइल । यकर नियामक निकाय बनैना फेन ओहे सत्ताके मोलमोलाइसे अल्मल्याइल ओ अन्ततः २०६५ वैशाख २२ गते राष्ट्रिय सूचना आयोगके घोषणा हुइल । यिहे दिनहे आयोग स्थापना दिवसके रूपमे मनाइ लागल । यी आयोगसे अपन सत्र वर्ष पूरा करले बा ओ आजसे १८ वर्षके वयस्क संस्था बनल बा ।

सूचनाके अधिकारके प्रत्याभूति मुलुकमे २०४६ सालमे बहुदलीय व्यवस्था पुनर्स्थापना हुइलसँगे नेपाल अधिराज्यके संविधान २०४७ करल हो । यद्यपि कुछ संविधान बन्ना ओ ओकर अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता उल्लेख करलहे फेन सूचनाके हक स्थापित हुइल कहिके व्याख्या करल पाजाइठ । संविधानमे प्रस्ट रूपमे २०४७ के संविधानके धारा १६ मे व्यवस्थित करल हो । यी अधिकार नेपालके संविधान २०७२ मे धारा २७ मे बा । सुरुमे 'प्रत्येक नागरिकहे सार्वजनिक महत्वके कौनो फेन विषयके सूचना मग्ना ओ पैना हक रहल बा' कना प्रावधान रहल रहे । अन्तरिम संविधान २०६३ से यकर कुछ संशोधन कैके 'प्रत्येक नागरिकहे अपन वा सार्वजनिक सरोकारके कौनो फेन विषयके सूचना मग्ना ओ पैना हक रहि' कहल बा । ३५ वर्षके अवधि मध्येके आधा समय कानुन ओ यकर कार्यान्वयनके नियामक निकायके अभाव बिटल । आब यी संस्था वयस्क हुइल बा । उ कारण कौनो बहानामे सूचनाके हकके कार्यान्वयन नैकरना छुट कौनो फेन सार्वजनिक निकायहे हुइना अवस्था नैहो । ना टे सूचना नैडेना निकायहे उन्मुक्ति डेना छुट आयोगहे रहि ।

राष्ट्रिय सूचना आयोग अपन स्थापना दिवस कौनो कार्यक्रम कैके अप्नही बनैना स्वाभाविक हो । आघेक आयोग जस्टे यी वर्ष फेन आयोग राष्ट्रपतिहे प्रमुख अतिथि बनाके कार्यक्रमहे निरन्तरता डेटि बा । ौंहिनहे अन्यथा अर्थमे नैलेके यी एक बिलार बँधना परम्परा किल हो । यीबाहेक आयोग कानुन कार्यान्वयनमे आइल दिन अर्थात् भदौ ३ हे राज्यके घोषणा अनुरूप राष्ट्रिय सूचना दिवस मनैटि आइल बा । साथे सेप्टेम्बर २८ हे अन्तर्राष्ट्रिय सूचना दिवस कहिकेसमेत मनैना आयोगके चलन बा । यी परम्परा विगतसे धन्टि आइल बा । यद्यपि यी तीन दिनके कार्यक्रम आयोगके प्रमुख गतिविधिके रूपमे रहटि आइल बा ।

यी चो राष्ट्रपति भवनमे राष्ट्रपतिहे प्रमुख अतिथि बनाके स्थापना दिवस मनैना कार्यक्रम सम्भवतः अन्तिम रहि । स्थापना दिवस आयोगके लाग महत्वपूर्ण हो, जैसिक हरेक व्यक्ति अपन जन्म दिनहे उत्सवके रूपमे मनाइठ । सूचनाके हक कार्यान्वयनके दृष्टिसे वर्षमे एक चो राष्ट्रिय व्यक्तित्वहे आमन्त्रण कैके खुसी मनैनाके खास अर्थ नैरहठ ओ नैहो । टबेमारे आयोगसे स्थापना दिवसहे कार्यालय परिसरमे सीमित कैके भर रचनात्मक ढंगमे मनैना निर्णय करल बा । राष्ट्रिय दिवसहे भर देशव्यापी सब तहके सरकारहे मनैना आग्रह करना निर्णय आयोग करले बा । संयोगसे सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ अध्यक्षतामे हुइल प्रदेशके सञ्चार सम्बद्ध मन्त्रीहुकनके आघेके महिना काठमाडौँमे हुइल बैठकसे यी प्रस्ताव पारित हुइल बा । यसर्थ आयोगसे वर्ष २०८२ से भदौ ३ गतेहे राष्ट्रिय सूचना दिवसके रूपमे मनैना सबमे आग्रह करि । उहिनसे आघे मन्त्री गुरुङके अध्यक्षतामे सम्पन्न बैठकके निर्णयहे अंगीकार करटि सरकार सब तहके सरकारहे अइसिन परिपत्र करि कना विश्वास सूचना आयोग करले बा ।

आयोगके कार्य क्षेत्र मुलुकभर बा मने यकर संरचना केन्द्रमे किल सीमित बा । सूचनाके हकसम्बन्धी ऐनके दफा २१ मे 'राष्ट्रिय सूचना आयोगके केन्द्रीय कार्यालय काठमाडौँ उपत्यकामे रहल बा ओ आयोगसे आवश्यकता अनुसार नेपालके टमान स्थानमे अपन कार्यालय खोले किल' कना व्यवस्था करले बा । यी ऐन बनेबेर मुलुक संघीयतामे जैना वा नैजैना निश्चित नैहुइल । ऐनमे प्रदेश कार्यालय रहि कहिके सिधे लेख्ना बाट नैरहल । टबेमारे आयोगसे आगामी आर्थिक वर्षमे कम्तीमे दुई प्रदेशमे कार्यालय खोल्ना मेरिक सरकारसँग बजेट प्रस्ताव करल बा । सूचना प्रवाह राज्य सञ्चालनहे पारदर्शी बनैना लोकतन्त्रके एक आधार हुइल तथ्यहे सरकार आत्मसात् करल सन्दर्भमे आयोगके प्रस्तावमे सरकार सकारात्मक हुइना अपेक्षा ढरना अन्यथा नैहुइ ।

हमार संविधानके परिकल्पना अनुसार हरेक तहके सरकार अप्नेमे स्वतन्त्र ओ स्वायत्त बा । सब तहमे अपन मेरक विधायिका बा ओ कानुन बनैना अधिकारसमेत ओइनहे बा । राज्य सञ्चालनके कुछ अधिकारहे संविधानके अनुसूचीमे बाँडफाँटसमेत करल बा । उ अनुसूची अनुसार, सूचनाके हकके सम्बन्धमे सूचनाके प्रवाहके प्रवर्धन, अनुगमन ओ संरक्षणके अधिकार प्रदेश वा स्थानीय तहमे डेहल नैडेखाइठ । यी अर्थमे यी काम सूचना आयोगके दायित्वभित्रे परठ । प्रदेश तहमे सूचनाके हकसम्बन्धी ऐन बनैना ओ ओकर नियामक निकाय खडा करना एक मेरिक प्रतिस्पर्धा हुइना सम्भावना डेखाइठ । वागमती प्रदेश टे २०७६ सालमे ऐन बनाके कार्यान्वयनके अभ्यास सुरु कैसेकल बा ।

यी सन्दर्भमे हरेक तहके सरकारमे नयाँ संरचना बनैनासे प्रदेश ओ स्थानीय तहमे समेत सूचनाके हकके प्रवर्धन, अनुगमन ओ संरक्षणके लाग बजेट विनियोजन करना उत्तम विकल्प रहे सेकि कना आयोग मन्ले बा । आयोगसे यिहे मान्यताके आधारमे निर्णय करल संघीय सरकारहे अनुरोधसमेत कैसेकल बा । यी विषयहे समेत मन्त्री गुरुङ अध्यक्षता करल उप्पर उल्लिखित बैठकसे आगामी आवसे सूचनाके हक कार्यान्वयनके लाग हरेक तहमे बजेट विनियोजन करना आग्रह करना प्रस्ताव पारित करल बा । अइसिन व्यवस्थासे सूचना प्रवाहके जिम्मेवारी ओ दायित्वबारे देशव्यापी कम्तीमे राज्य मातहतके सार्वजनिक सरोकारके संस्थामे सिप ओ दक्षता बढ्हैना कार्यक्रम सम्भव हुइ । अब्बे जस्टे संघीय सरकारके बजेट किलके आधारमे वार्षिक रूपमे करना दुई चार ठो कार्यक्रमसे सूचनाके हकके अभियानहे व्यापक बनैना सम्भव नैहो, नैरहठ ।

आयोग स्थापनाके १७ वर्ष व्यतीत होके सूचनाके हकके क्षेत्रमे कौनो काम हुइल नैहो कना अतिशयोक्ति रहि । राज्यके हरेक निकाय सूचना प्रवाह करे परठ कना विषयमे सचेत हुइल बा । निजी क्षेत्रके संस्था फेन सार्वजनिक सरोकारके संस्था हो ओ उहाहुकनके कामकारबाहीमे नागरिक चास ढरे पाइठ ओ सेकठ कना स्थापित हुइल बा । अधिकांश सूचना अधिकारी तोके परठ कना टिा पैले बा । हरेक तीन महिनामे अपन करल महत्वपूर्ण काम ओ निर्णय स्वतः प्रकाशन करे परठ कना कानुनी व्यवस्थाके बोध उहाँहुकनमे परठ । कौनो नागरिक सूचना माग करलेसे निश्चित समयभित्रे उपलब्ध कराइ परठ अन्यथा कानुनसे दण्डित हुइ परठ कना सन्देश फेन मजासँग पुगल बा ।

अत्रा होके फेन निर्बाध ढंगमे हरेक सार्वजनिक निकायसे सूचना प्रवाह करठ ओ करटि बा कना अवस्था नैहो । मूलतः काममे निरन्तरता नैहो । कौनो समय सूचना अधिकारी तोकल कार्यालयमे ऊ सरुवा वा अन्य कारणसे उ कार्यालयमे नैरहलमे फेन औरे नैतोकल अवस्था बा । नियमित हुइना करल स्वतः प्रकाशन कहाँ कहियासे रोके लागल, कार्यालयहे पत्ता नैहो । मागल सूचना नैडेहे परलेसे हुइट कना मनोविज्ञानसे भारी घर जमैले बा । सूचना खोजके डेहे परल कलेसे टे उ औरे महाभारत जस्टे लागठ । सूचना मागकर्तामे फेन समस्या बा । एकमेरिक जानकार जहाँ ओ जा फेन मागे मिलठ कहिके दीक्षित करल बा । सार्वजनिक कैसेकल सूचना माग करलेसे किल नैहुइठ, वर्षौंसेके विवरणके माग करना करल बा । एक व्यहोराके मागपत्र तयार कैके उ मेरिक सब कार्यालयमे एकसाथ सूचना देउ कहिके पठैना प्रवृत्ति बढ्हल बा । उ सूचना प्राप्त हुइलपाछे का करना हो ? मागकर्ताहि पटा नैहो ।

अनुगमनके लाग आयोगके अधिकार प्रत्यायोजन कैके खडा करल संयन्त्र अप्नेमे कार्यबोझसे थिचल बा । उहाँहुकनहे मोर यी फेन दायित्व बा कना बोधसमेत नैहुइल पाइल बा । सूचना अधिकारी अप्नही कौनो पद नैहो, तोकल उ दायित्वहे उ नागरिकहे सुसूचित करना अधिकारके रूपमे बुझल नैहो । अपनउप्पर थोपरल झन्झट मानल बा । कानुन अनुसार २० वर्षसेके सूचना अद्यावधिक करेपरना काम करल नैहो । जोनबेला जो माग हुइठ, उ किल खोज्ना ओ फेला नैपरलपाछे दुःख डेना मन्ना मनोविज्ञान बा । कौनो समय सूचना अधिकारीसे तयार करल सामग्री ऊ अन्यत्र गैलपाछे संस्थागत रूपमे फेला नैपरठ । यी ओ अइसिन प्रवृत्तिमे सुधार करना हरेकजे अपन ठाउँसे भूमिका निर्वाह करेपरना आवश्यकता बा । अन्यथा फेन औरे वर्ष ओहे दिवस अइना ओ मनैना चक्र चलल करि ।

अनुगमनके लाग आयोगके अधिकार प्रत्यायोजन कैके खडा करल संयन्त्र अप्नेमे कार्यबोझसे थिचल बा। उहाँहुकनहे मोर यी फेन दायित्व बा कना बोधसमेत नैहुइल पाइल बा। सूचना अधिकारी अप्नही कौनो पद नैहो, तोकल उ दायित्वहे उ नागरिकहे सुसूचित करना अधिकारके रूपमे बुझल नैहो। अपनउप्पर थोपरल झन्झट मानल बा। कानुन अनुसार २० वर्षसेके सूचना अद्यावधिक करेपरना काम करल नैहो। जोनबेला जो माग हुइठ, उ किल खोज्ना ओ फेला नैपरलपाछे दुःख डेना मन्ना मनोविज्ञान बा। कौनो समय सूचना अधिकारीसे तयार करल सामग्री ऊ अन्यत्र गैलपाछे संस्थागत रूपमे फेला नैपरठ। यी ओ अइसिन प्रवृत्तिमे सुधार करना हरेकजे अपन ठाउँसे भूमिका निर्वाह करेपरना आवश्यकता बा। अन्यथा फेन औरे वर्ष ओहे दिवस अइना ओ मनैना चक्र चलल करि।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

रानाथारु वैशाष कि चराई काहे मनात

✍ गोविन्दराज रानाथारु

द्वापर युग से कलियुगमें खकडेहरा पर्व के बाद चैत कि चराई मानत आए है पर चैत कि-चराई मनायक अगले वैशाष कि चराई काहे मनात है ?

परापूर्व काल घेन कि बात है जगत भुईंहार एक नामी सिद्धी प्राप्त भर्रा रहय (भुईंहार-भर्रा) एकय बात है आजकल हम जाधा भर्रा शब्द प्रयोग करत है

जगत भुईहार (भरी) बडो लौका में पानी और हर गोइ लेके अपने खेत हरइयों डारके जोततपेति सात बहना दुर्गा, कालिका, ज्वाला होलिका सितला, गुंगा अंगारमति, घूमत फिरत जब पानी पियास लगी त खेतमे हरवहिया धिना लोका धरो देखलै लोकामें जरूर पानी होवयगो हरबहियासे पानी मागते आपन पियास मिटाय लेहै जगत भूईंहार हरवंडिया हरईयाँ डारके खेत जोतत रहे सातौ बहना हरईयाँ नाघके अबइय त सातौ बहनासे जा कहिकि तुममिर हरड्याँ नाघके मत आवौ घुमके आयक पानी पि लेबौ सातों बहना घुमके हरवहिया थिना पुगोत जगत भुईंहार भर्रा सिद्धी प्राप्त करे रहै जेत भवानीहै चिन्हलै बह लौकामे घरो पानी पिनदयी तब उनसे विन्ती करि तुम सातौ बहना हमरे भवानी हो और हमरे गाउँ समाज मे पुज्य मान हौ में गाउमे पधनासे सल्लहा करके तुमहरे नामसे भण्डारा करबयहे मेरे भईंहार, खेरो/सीमाना) भीतर अन्न बाली में रोग दोख गाउँमे हारि वेमारी और भूतप्रेतसे रक्षा करियों तुम जा जगत के रक्षक हो हर गाउँमें तुम हमरे पुज्यमान हो तुमसे मय बिन्ती करत हौ चराइ भण्डारामें तुमहरो प्रसाद ग्रहण करन आगमन होबय । तव पधनासे सल्लाह करके बैशाषमें तिथि अनुसार पहिल सोमवार या बृहष्पतबार चराईक दिन धरत है ।

ध्यान देनकि बात का है वैशाष कि चराई मे माहक महिना मे व्याह भै नयिदुलहिन मैकै मैं निनहारी या दुसरेजघा गयी होये, चराईमें ससुराल कर लागके आनयपडत है और वैशाखक चराई, मनात ढिहा में जानय पडत है बस संस्कार अनुसार वैशाष कि चाई मनायि जात है ।

लेखक रानाथारु धनगढी उपमहानगरपालिका-१०, जुगडा निवासी हुइट ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ मिलनचोक कित्ता नं. २४५ क्षेत्रफल ८५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री कल्पना चन्दले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: मिनबहादुर चन्द — पश्चिम: राम जोशी
उत्तर: भरत चन्द — दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९१८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

योगी आदित्यनाथसँग मुख्यमन्त्री शाहके भेटवार्ता

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ वैशाख । औपचारिक भारत भ्रमणके अन्तिम दिन सोम्मारके सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह उत्तर प्रदेशके आपन समकक्षी योगी आदित्यनाथसँग शिष्टाचार भेट करले बटै ।

लखनऊस्थित मुख्यमन्त्रीके सरकारी निवासमे उहाँ आपन समकक्षीसँग भेतवार्ता करल हुइट । उहे क्रममे डुनुबिच दुई पक्षीय आपसी सम्बन्धलगायत विविध विषयमे छलफल हुइल मुख्यमन्त्रीके सचिवालय जानकारी डेले बावै । ओस्टके मुख्यमन्त्री शाह उत्तराखण्डके आपन समकक्षी पुस्करसिंह धामी ओ मन्त्रीहे भेट करले बटै ।

एकहप्ते भारत भ्रमणके क्रममे बिफेक रोज दिल्लीमे भारतीय विदेश राज्यमन्त्री कीर्तिवर्धन सिंहसँगके भेटवार्तामे उहाँ यी प्रदेशके विकासके लाग सहयोग कैना आग्रह करल रहिट ।

ओस्टके भारतके तिकुनियासे कैलालीके खक्रौलासमके सडक हाली सम्पन्न कैना सम्बन्धमे मुख्यमन्त्री शाह ओ विदेश राज्यमन्त्री सिंहबिच छलफल हुइल मुख्यमन्त्रीके सचिवालय जानकारी

डेले बावै । भेटघाटके क्रममे मुख्यमन्त्री शाह दार्चुलामे निर्माणाधीन पुलके काम हाली सम्पन्न कैना आग्रह करल रहिट । ओस्टके बैतडी, डडेलधुरामे पुल निर्माणके प्रक्रिया हाली सुरु करे पर्ना विषयमे फेन उहाँ भारतसमक्ष बात राखल रहिट । भेटमे मुख्यमन्त्री शाह मुख्यमन्त्रीस्तरीय भारत भ्रमणसे दुई देशबिचके सम्बन्धहे थप उचाइमे पुगैना बटाइल रहिट ।

मुख्यमन्त्री शाहके टोलीसे नयाँ दिल्लीस्थित प्रधानमन्त्री संग्रहालय, नेसनल स्किल डेभलपमेन्ट कर्पोरेसन कम्पनी, जलविद्युत् विकास संगठन (एनएचपिसी) लिमिटेड ओ कृषि अनुसन्धान केन्द्रके अवलोकन करले बावै । नेसनल स्किल डेभलपमेन्ट कर्पोरेसन कम्पनीसँगके छलफलमे मुख्यमन्त्री शाह सूचना प्रविधिके युगमे डिजिटलमैत्री प्रविधिके विकास कैके जनताहे आत्मनिर्भर बनैना आवश्यक रहल औंल्याइल रहिट । ओस्टके कृषि अनुसन्धान केन्द्रसँगके छलफलमे नेपालमे आधुनिक कृषि विकासके लाग सहयोग कैना भारत सरकारहे आग्रह करल रहिट ।

नेपालमे काम करटी रहल एनएचपिसीसँगके छलफलमे मुख्यमन्त्री शाह पश्चिम सेती आयोजनाके डिपिआरके काम अन्तिम चरणमे पुग्लेसे फेन आर्थिक अभावके कारण आघे बहे नैसेकल बटैलै । उहाँ उहीहे अन्तिम रूप डेहक लाग प्राविधिक लगायतके सहयोग कैना भारत सरकारहे आग्रह करले बटै । एनएचपिसीसँगके छलफलके क्रममे पञ्चेश्वर जलविद्युत् आयोजना, फुकोट कर्णाली, वेतन कर्णाली ओ मुगुके कर्णाली जलविद्युत् आयोजनाके सम्भावना अध्ययन प्रतिवेदनके विषयमे छलफल करल रहे ।

ओस्टके भ्रमणके क्रममे मुख्यमन्त्री शाह भारतके उत्तराखण्ड प्रदेशके तीनजाने विभागिय मन्त्रीनसँग भेटघाट करले बटै ।

मुख्यमन्त्री शाह वन मन्त्री सुवोद उनियाल, पर्यटन मन्त्री सतपाल महाराज ओ कृषि मन्त्री गणेश जोशीसँग छुट्टा छुट्टे भेटघाट करल हुइट । भेटमे वन तथा पर्यटन प्रबर्द्धन ओ आधुनिक कृषि खेतीके विषयमे बाचचित हुइल बावै । पर्यटन प्रबर्द्धनसे रोजगारीके सिर्जना ओ विदेशी मुद्रा आर्जनसँगे राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमे समेत टेवा पुग्ना विश्वास लेहल रहे । विकास लक्ष्य हासिल कैना ओ नेपाली जनताके दिगो सामाजिक एवं आर्थिक उन्नतिके लाग पर्यटन प्रबर्द्धनसे महत्वपूर्ण योगदान डेहे सेक्ना बातमे छलफल हुइल रहे । पर्यटन मन्त्री सतपालसँग मुख्यमन्त्री शाह धार्मिक मानसखण्ड सर्किट, आध्यात्मिक टुरिजम, ओएलनेस टुरिजमके विषयमे छलफल करल रहिट ।

नेपालमे भौगोलिक अवस्था ओ मौसम अनुसारके कृषि खेती कैना ओ आधुनिक तरिकासे उत्पादन करल बस्तुहे बजारीकरणमे जोड डेहे पर्ना कृषि मन्त्री जोशी ओ मुख्यमन्त्रीबीच बातचित हुइल रहे । उहे अनुसारके बीउ, विजन ओ प्राविधिक सहयोग आदान प्रदान कैना विषयमे छलफल हुइल रहे । भेटमे नेचुरल फार्मिङ, ओर्गानिक फार्मिङ्ग उत्पादनके बिषयमे बातचित हुइल रहे ।

भारत सरकारके आमन्त्रणमे मुख्यमन्त्री शाह नेतृत्वके १० सदस्यीय टोली बैशाख १६ गते भारत प्रस्थान करल रहे ।

टिसरा तहके...

करल ओरसे सीप सिखके सीपके सदुपयोग कैना आग्रह करल रहिट । तालिममे सक्रिय सहभागि हुके आपन क्षमता बढैना आग्रह करलै ।

कार्यक्रममे गाउँपालिकाके लेखा शाखा प्रमुख दिपेद्र चौधरी, ओरेक नेपाल कैलालीके जिल्ला संयोजक गीता चौधरी, थारु महिला संजालके जिल्ला अध्यक्ष सरिता चौधरी, संजालके सदस्य, शसक्त आवाज महिला संस्थाके सदस्यहुकनके सहभागिता रहे । तालिममे दुसरा चरणके प्रमाणपत्र प्राप्त करके व्यवसाय संचालन करटी आइल १० जाने महिलाहुक्रनके सहभागिता रहल बा ।

तालिम उदघाटन कार्यक्रमके संचालन सदस्य अनिता चौधरी ओ स्वागत मन्तव्य दुसर सदस्य अनिता चौधरी करल रही । तालिममे लेहंगा, गाउन, आसकोट, ब्लाउज, ओ टमान मेरिक डिजाइन सिखजैना बा ।

१० लाखसे ढेरके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ वैशाख । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे १० लाखसे ढेरके अवैध भन्सार छलिके सामान बरामद कैगिल बा ।

कैलाली जिल्लाके धनगढी उपमहानगरपालिका-१ साल ट्रेडिङ लग्गे, वडा नम्बर ७ बेली, वडा नम्बर ९ त्रीवेणीघाट, कैलारी गा.पा.१ मझारा, भजनी न.पा. ७ हिम्मतपुर ओ टीकापुर न.पा.७ डाडाबोजीसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.४ लाख ३५ हजार ७ सय बराबरके बिडी, सुर्ती, पेय पदार्थ, कुर्ती, रोलर ब्रस, चुरन, प्लाष्टिक डोरी, प्लाष्टिक झिल्ली, सिढरा, मोटरसाइकल थान-२ लगायतके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी गस्ती टोली बेबारिसे अवस्थामे फेला पारके नियन्त्रणमे लेहल हो ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर जिल्लाके टमान स्थान भीमदत्त.न.पा. ११ भुजेला ओ वेदकोट न.पा. १० सिसैयासे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छली करके ल्यानल रु.६ लाख ४३ हजार ६५० बराबरके साडी, सुटपिस, इलेक्ट्रानिक, हाडवेयरके, किरानाके, मोटरसाइकल थान-१ लायतके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी गस्ती टोली वेवारिसे अवस्थामे फेला पारके नियन्त्रणमे लेहल हो ।

लागुऔषध सहित तीन जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ वैशाख । अवैध लागु औषधसहित तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका-२ त्रिनगर स्थित सु.प.प्र. ०१०१२ प ४२२५ नम्बरके मोटरसाइकलहे भारतसे नेपाल ओर अइटी रहल अवस्थामे चेकजाँच करेबेर चालक गोदावरी न.पा.९ बैठना बर्ष ३२ के दिपेश चौधरी, मोटरसाइकल पाछे बैठल धनगढी उपमहानगरपालिका ७ बैठना बर्ष ३० के सुरेश चौधरी ओ १५ बर्षिय किशोरहे पक्राउ कैगिल हो । ओइनहे १ ग्राम ७४० मिलिग्राम लागु औषध खैरो हेरोइन सहित जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेके थप अनुसन्धान कैटी बा ।

धनगढी उप-महानगरपालिकासे खानेपानीके...

छारियपना का बा उ पे चेक करटी, हम्रे धनगढी उप-महानगरपालिका भिटर जटरफे खानेपानी वितरण केन्द्रके ट्यात्की बटै ओकर पानी ओ उहीसे वितरण करल अन्तिम बिन्दुमे जाकेफे नमुना परिक्षण करटी रहल बटी ।"

उप-महानगरपालिकाभिटर वितरण हुइटी रहल सक्कु वितरण केन्द्रके ट्यांकी ओ कुछ समुदायमे समेत जाके नमूना सकंलन करके परिक्षण कैना अवस्थी बटैलै । पानीके गुणस्तर परिक्षण कार्यक्रम कुछ दिन सञ्चालन रही । सक्कु क्षेत्रके नमुना सकंलन करसेकलपाछे खानेपानीके गुणस्तर पत्ता लग्ना जनाइल बा । यकर साथे खानेपानी नैपुगल क्षेत्रमे ह्याण्डपम्पके पानी समेत परिक्षण कैना बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजामे हुइल इजरायली हमलामे १९ जहनके मृत्यु

काठमाडौं, २२ वैशाख । सोम्मार प्यालेस्टिनी क्षेत्रके उत्तरमे हुइल दुई ठो इजरायली हवाई आक्रमणमे कम्तीमे १९ जहनके मृत्यु हुइल गाजाके नागरिक सुरक्षा निकाय जनैले बा ।

गाजाके उत्तरपश्चिममे तीन ठो अपार्टमेन्टमे हुइल इजरायली हमलामे १५ जहनके मृत्यु हुइनाके साथे १० जाने घाहिल हुइल एजेन्सीके प्रवक्ता महमुद बासल बटैले बटै । उहाँक अनुसार प्रभावित हुइनामे अधिकांश महिला तथा बालबालिका रहल रहैं ।

गाजा सहरके उत्तरमे रहल बेत लाहियास्थित एक घरमे हुइल आक्रमणमे थप चार जहनके मृत्यु हुइल चार जाने घाहिल हुइल जनाइल बा । इजरायली सेना भर हमलाबारे अभिनसम कौनो टिप्पणी करले नैहो ।

इजरायल १८ मार्चमे प्यालेस्टिनी क्षेत्रमे अपन आक्रमण पुनः सुरु करलसे गाजा पट्टीमे निरन्तर हमला करटि बा । इजरायल मार्च २ से सब क्षेत्रमे सहायता प्रवेश अवरुद्ध करले रहे ।

इजरायल नाकाबन्दी ओ विस्फोट गाजाके बन्धकहुकनहे रिहा करना हमासहे दबाब डेना उद्देश्यसे हुइल बटाइल बा ।

सन् २०२३ अक्टोबरमे इजरायलमे हमासके आक्रमणमे अपहरण करल ५८ जाने बन्धक अभिन फेन बन्धक जीवन बिटैटि बटै । बन्दकमध्ये ३४ जहनके मृत्यु हुइल सेना जनैले बा । एएफपीके अनुसार हमासके आक्रमणमे अधिकांश नागरिकसहित इजरायली पक्षके एक हजार २१८ जहनके मृत्यु हुइल रहे ।

इजरायली सेनाके जवापफी कारबाहीमे गाजामे कस्तिमे ५२ हजार ५३५ जहनके मृत्यु हुइल हमाससे नियन्त्रित क्षेत्रके स्वास्थ्य मन्त्रालय जनैले बा ।

विपदके बेला...

कैलारी गाउँपालिका महिला तथा बालबालिका शाखा प्रमुख बालकुमारी चौधरी कैलारीमे रहल अपाङता रहल बालबालिकाहुकनहे सुचिकरण अभियान संचालन करल जनैली ।

ओस्टेक उहाँ संरक्षण विहिन बालबालिकाके शिक्षा सिकाईमे टेवा पुगे कहटी प्रत्येक बरस शैक्षिक सामाग्री सपोट करटी आइल जनैली । पहर्नाके उमेरके बालबालिका कुलट ओ दुर्व्यशनीमे फस्टी गैल ओरसे सचेतना आवश्यक रहल उहाँ बटैली ।

कार्यक्रममे एनसिईके सरिता थापा कैलारी गाउँपालिकाके दिपेन्द्र मावि, राष्ट्रिय मावि ओ जनता माविमे बालिका तथा समावेशी शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम कैना उहाँ जनैलै ।

बालिका तथा समावेशी शिक्षा संजाल सम्बन्धी छलफल कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य कैलारी गाउँपालिका शिक्षा शाखा प्रमुख गणेश प्रसाद मिश्र करल रहिट । कार्यक्रममे पालिका स्तरीय बाल समितिके सदस्यहुकनके सहभागिता रहल रहे ।

घरबाससे आत्मनिर्भर बन्टी मुक्त कमैया महिला

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २२ वैशाख । कृष्णपुर नगरपालिका–२ स्थित मुक्त कमैया शिविरके परदेशनी चौधरीके दैनिकी पाहुनाके सेवा सत्कारमे बित्ना करठ् । पाहुनाहे थारु समुदायके परम्परागत मौलिक खानाके जोहो कैना, पकैना, खवाइनामे दिन बिटल उहाँहि पत्तै नैहुइठ् ।

उहाँ नौ बरससे इहे काम कैटी आइल बटी । उहाँक जस्टे मुक्त कमैया परिवारके पाँच महिला मिलके गाउँमे विजयसाल घरबास सञ्चालन करले बटै । घरबास सञ्चालन करलपाछे उहाँहुक्के पैसाके लाग गोसियनके मुह ताके नैपरठ् ।

घरबासमे विदेशीसे स्वदेशी पाहुना थारु परिकार चिखे अइना करठै । घरबासमे अउइया विदेशीके तुलनामे स्वदेशी पाहुनाके संख्या अधिक रहना उहाँ बटैली ।

थारु समुदायके मौलिक खान्कीके रूपमे पतौला, मिसौला, स्थानीय जातके मुर्गीक सिकार, स्थानीय प्रजातिके मच्छी, ढिक्री, अन्डीधानके भात, हरियर सागसब्जी, लसुनके चटनी, घाँगीलगायत परिकार पाहुनाके रोजाइमे पर्ना करठ् ।

"घरबासके कमाइ पाहुनामे निर्भर रहठ्", चौधरी कहली, "कौनो महिना ढेर कमाइ हुइठ्, कौनो महिना कम ।" औसतमे मासिक रु. ३० हजारसे रु. ३५ हजारसम कमाइ हुइना करल उहाँ बटैली ।

पाहुना बैठक लाग थारु शैलीके सुविधासम्पन्न पाँच घर निर्माण करल

बावै । एक घरमे दुईसे चार जानेसम पाहुना राखे सेकजैना व्यवस्था रहल बावै ।

"घरबासमे पाहुना अइलेसे पालिकपाला मिलाके रख्छी," उहाँ कहली, "पाहुनाके सेवा सत्कारमे एकऔरे जनहनहे सहयोग कैठी ।" ओहकान अनुसार पाहुनाके मागअनुसार परम्परागत पहिरन ओ आभूषणमे सजके पौराणिक नृत्य सखिया, झुम्रा, हुरदंग्वा, लठ्ठि, दिन नचवालगायत डेखैना करठी । ओकर लाग नृत्य टोलीनै गठन करल बावै । नृत्य डेखाइल बापत रु. एक हजार ५०० से रु. तीन हजारसम शुल्क लेना करल बावै ।

उहाँहुक्के प्रांगारिक मल प्रयोग कैके उत्पादन करल टिना, अन्डी धानक भात, स्थानीय जातके मुर्गी, बंगुर घरबासमे बैठे अउइया पाहुनाहे खवाइना करठै । टिनाटावन, अन्न उत्पादनसँगे मुर्गी ओ बंगुरपालनमे घरक पुरुष सहयोग कैना करल चौधरी बटैली ।

घरबास सञ्चालित गाउँमे नगरपालिकासे प्रवेशद्वार ओ गोलघर निर्माण करले बावै । वडा कार्यालयसे प्रत्येक घरमे 'वाइफाइ' जडान करले बा, कलेसे ताल नामक गैरसरकारी संस्थासे घरबास सञ्चालकहे फर्निचर ओ होर्डिङ बोर्ड रख्ना सहयोग करले बावै ।

घुम्ना इच्छा रहल पाहुनाहे लग्गेक जनहित महाकाली सामुदायिक बन्वाभित्रे सिस्ने सिमसार क्षेत्रमे घुमैना प्रबन्ध करल घरबास सञ्चालक राजकुमारी चौधरी बटैली । ढेर पाहुना घरबासमा बैठके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज घुमे जैना करल बटै ।

घरबासमे अउइया पाहुना लौटेबर विजयसालके भाँडा खरिद कैके लैजैना करठै । घरबासमे संलग्न महिला बहुऔषधीय गुणयुक्त विजयसाल संरक्षण कैटी आइल बटै ।

सामुदायिक वनसँग समन्वय कैके लगाइल विजयसालके विरुवा, रुखके 'प्लट' पाहुनाहे अवलोकन करैना नैछुटैठै । विसं २०७३ मे विधिवत रूपमे घरबास दर्ता कैके सञ्चालनमे लानल हो । घरबास सञ्चालन कैनासे आघे उ महिलाहुक्के गोसियकसँग मजदुरी कैके जीविका चलाइट । घरबास सञ्चालनमे लानलपाछे मजदुरी करे नैपरल स्थानीय लीला चौधरी बटैली ।

"मजदुरी कैके अइना रकमसे परिवारके खर्च चलैना धौ धौ होए", उहाँ विगत सम्झँटी कहली, "घरबास सञ्चालनमे आइलपाछे उ दुःखके दिनके अन्त्य हुइल बा, पैसाके लाग औरेसँग हाठ थपे परल नैहो ।"

घरबाससे आइल आम्दानीके कुछ रकम महिला गाउँके सहकारीमे बचत कैना करल बटै । प्रचार प्रसारमे जोड डेहे सेक्लेसे घरबासमे ढेर पाहुना भित्र्याइ सेकजैना उ वडाके वडा अध्यक्ष अर्जुन साउद बटैलै । प्रचार प्रचारसँगे मौलिकताहे निखर्ना थप काम आघे बहैना योजना रहल उहाँ बटैलै ।

तटबन्ध निर्माण रोकक् लाग प्रजिअहे ज्ञापनपत्र

दार्चुला, २२ वैशाख । सदरमुकाम खलंगास्थित वीरेन्द्र बन्वाके उपार पाँजर नेपाली भूमिमे भारतसे तटबन्ध निर्माण करलमे ओम्ने स्थानीय राजनीतिक दल तथा बासिन्दा विरोध करले बटै । विसं २०७० के बाढपाछे भारत ओर परल नेपाली भूमिमे भारतसे तटबन्ध निर्माण करले बावै ।

नेपाली भूभागमे भारतीय पक्षसे एकतर्फी रूपमे तटबन्ध निर्माण हुइटी रहल ओरसे उहीहे अविलम्ब रोकक् लाग कूटनीतिक पहल करे पर्ना माग कैटी नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एमाले) जिल्ला कमिटीसे प्रमुख जिल्ला अधिकारीसमक्ष ज्ञापनपत्र बुझैले बावै ।

महाकाली नगरपालिका–४ ओ ५ ओ बहना महाकाली लडिया किनारमे छिमेकी भारतसे तटबन्ध निर्माण करले बावै । नेपाली भूमि किल नैहोके लडियाके धार नै परिवर्तन हुइना मेरके तटबन्ध निर्माण जारी रहल ओरसे उहीहे रोकक् लाग प्रमुख जिल्ला अधिकारी अनिल पौडेलमार्फत पररार्ष्ट्र मन्त्रालयके ध्यानाकर्षण करैटी ज्ञापनपत्र बुझाइल जिल्ला कमिटी अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र घर्ती बटैलै ।

कूटनीतिक माध्यमसे समस्याके समाधान यथाशक्य हाली कैना पररार्ष्ट्रके ध्यानाकर्षण कराइल उहाँ जानकारी डेलै । महाकाली लडियाके गल्फैउपार ओ खुलामञ्चउपारके क्षेत्रमे अन्तरराष्ट्रिय सीमारेखा मिचके तटबन्ध निर्माण हुइटी रहल जानकारी डेटी अध्यक्ष घर्ती उहीहे रोकक् लाग माग करल रहिट ।

भारतसे निर्माण करटी रहल तटबन्धके सम्बन्धमे तत्काल कूटनीतिक पहल कैना अपने पत्राचार करल प्रमुख जिल्ला अधिकारी पौडेल जानकारी डेलै । उहाँ अपने निरन्तर भारतीय समकक्षीसँग सम्पर्कमे रहल बटैटी निर्माण रोक्न आग्रह करल जानकारी डेलै ।

टीकापुरमे भूमि अधिकार तथा श्रमिक संगठनके महाधिवेशन

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, २२ वैशाख । भूमि अधिकार तथा श्रमिक संगठन नेपालके डोसर राष्ट्रिय महाधिवेशन टीकापुरमे हुइना हुइल बावै । नेकपा एमाले निकट संगठनके डोसर महाधिवेशन आज वैशाख २३–२४ गते टीकापुरमे हुइना ओ ओकर तयारी पूरा हुइल संगठनसे पत्रकार सम्मलेनमार्फत जानकारी कराइल बावै ।

नेकपा (एमाले)के पोलिट ब्युरो सदस्य तथा संगठनके केन्द्रीय अध्यक्ष शान्ता चौधरी भूमिहिन, सुकुम्वासी, अव्यवस्थित बसोवास अत्याधिक हुइल क्षेत्र टीकापुरहे महाधिवेशनस्थल छानल बटैली । 'जहाँ ढेर समस्या बा उहे क्षेत्रमे संगठनसे महाधिवेशन करे लागल हुइटी,' अध्यक्ष चौधरी कहली, 'भूमिहिन सुकुम्वासीहे एकचो जमिनके मालिक बनैना सरकारके नीति अनुसार हाली काम हुइ परल कना हमार माग हो ।' नेकपा (एमाले) के केन्द्रीय सदस्य झपटबहादुर रावल नेपालमे सक्कु भूमिहिनहे जग्गा डेके मालिक बनैना अब्बेक सरकार लागल बटैलै ।

टीकापुरमे किल करिब नौ हजार ९०० जाने भूमिहिन, सुकुम्वासी, अव्यवस्थित बसोवासी जग्गा पाइक लाग भूमि आयोगमे आवेदन डेले बटै । सुदूरपश्चिम, कर्णाली ओ लुम्बिनी प्रदशके टमान जिल्लासे टीकापुर आइल अधिकांश मनै क्याम्पस तथा सद्ध संस्थाके जग्गामे बैठल ओरसे यहाँ जग्गा नापजाँचके काम सुरु हुइ सेकल नैहो ।

टीकापुरसँगे सीमा जोरल कैलाली ओ बर्दियाके पालिकामे फेन भूमिहिन सुकुम्वासीके संख्या ढेर रहल बा । महाधिवेशनमे देशके ६४ जिल्लासे ६०० जाने प्रतिनिधि सहभागी हुइना बटै । सहभागीहे नेकपा (एमाले)के टीकापुरस्थित पार्टी कार्यालयमे खैनाबैठ्नाके व्यवस्था मिलाइल बावै ।

सहभागीके खानाके लाग पार्टीके शुभेच्छुकसे दाल, चामल, टिनाटावन सक्तलन हुइटी रहल ओ अपुग हुइलेसे किनके व्यवस्थापन कैना एमाले सुदूरपश्चिम प्रचार तथा प्रकाशन विभागके उपसंयोजक मातृका तिमिल्सेना बटैलै ।

नेकपा (एमाले)के उच्च नेतृत्व नै उद्घाटन सत्रमे अइना हुइलपाछे पार्टी पङ्क्ति तयारीमे जुटल बावै । वैशाख १९ गते नै पार्टीके केन्द्रीय सचिव लेखराज भट्ट, पोलिट ब्यूरो सदस्य नारदमूनि राना, केन्द्रीय सदस्य झपट रावल, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णप्रसाद जैसी, जिल्ला अध्यक्ष यज्ञराज ढुंगाना लगायतके नेताहुक्नके उपस्थितमे तयारी बैठक हुइल बावै ।

कार्यक्रम उद्घाटनके लाग प्रधानमन्त्री तथा पार्टीके अध्यक्ष केपी शर्मा ओली अइना निश्चित नैहुइलेसे फेन पार्टीके महासचिव शंकर पोखरेल, उपमहासचिव विष्णु रिमाल, पार्टी सचिव लेखराज भट्ट, भूमि व्यवस्था सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्री बलराम अधिकारी, स्थायी कमिटी सदस्य भानुभक्त ढकाल, संगठनके संस्थापक अध्यक्ष रामप्रित पासवान, भूमि समस्या समाधान आयोगके अध्यक्ष हरि रिजाल फेन सहभागी हुइना जानकारी डेहल बावै ।

स्वदेशी मौलिक उत्पादनको प्रवर्द्धन गरौं

- हाम्रो मौलिक उत्पादन पहिचानमात्र होईन आय-आर्जनको स्रोत पनि हो,
- घरेलु र परम्परागत सीपमा आधारित उत्पादनको अभिवृद्धि गर्दै स्वावलम्बी र स्वरोजगार बनौं,
- स्थानीय सीप, क्षमता र कच्चा पदार्थको उपयोग गरौं,
- हस्तकला लगायतका व्यवसाय सानो पूजींमा पनि थालनी गर्न सकिन्छ,
- स्वदेशी उत्पादनबाट आत्मनिर्भर बनौं,
- आयातित वस्तुको सट्टा स्वदेशी उत्पादनलाई प्रोत्साहन गरौं,

अर्थतन्त्रमा योगदान गरौं, मुलुकलाई समृद्ध बनाऔं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

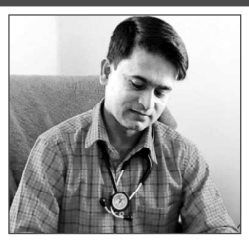

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९